Awadhi Easy-to-Read Version

Language: अवधी (Awadhi)
Provided by: Bible League International.

Copyright and Permission to Copy

Taken from the Awadhi Easy-to-Read Version © 2005 by Bible League International.
PDF generated on 2017-08-25 from source files dated 2017-08-25.
a1ae5774-2ca2-500b-8aeb-2c74229c4519
ISBN: 978-1-5313-1308-1

इब्रनियन
क पत्र

परमेस्सर अपने पूत क माध्यम स बोलत ह

१ १ परमेस्सर त अतीत मँ नबियन क जरिये
कइयउ अवसरन प कउनउ तरह स हमरे
पूर्वजन स बातचीत किहेस। २ मुला इन आखिरी
दिने मँ उ हमसे अपने पूत क जरिये बातचीत
किहेस, जेका ओ सब कछू क उत्तराधिकारी
नियुक्त किहेस अउर जेकरे द्वारा उ समूचे
ब्रह्माण्ड क रचना किहेस। ३ उ पूत परमेस्सर
क महिमा क प्रभा-मण्डल अहइ अउर ओकरे
प्रकृति क प्रतिलिपि अहइ। उ अपने समर्थ
बचन क द्वारा सब चीजन क स्थिति बनाए रखत
ह। सबके पापन क धोअइ क उ सरगे मँ ओह
महामहिम क दहिने हाथे बइठि गवा। ४ एह तरह
उ सरगदूतन स एतना ही महान बनि गवा जेतँना
कि ओनके उ किहेन। उ सबइ नाउँ स उत्तिम नाउँ
बाटइ जउन उ उत्तराधिकार मँ पाए अहइ।
५ काहेकि परमेस्सर तउ कउनो सरगदूतन स
कभी अइसेन नाहीं कहेस:
"पूत तू मोर,
आजू तोहार बनि गवा हउँ मइँ पिता।" *
अउर न ही कउनो सरगदूत स उ इ कहेस ह,
"पिता ओकर मइँ बनबइ,
अउर होइ पूत उ मोर।" †
६ अउर फिन उ जब आपन पहिलौट क लड़का
अउर महत्वपूर्ण क संसार मँ लावत ह तउ कहत
ह,
"परमेस्सर क सरगदूतन सब ओकर नमन करइँ।"
‡
७ सरगदूतन क बारे मँ बतावत उ कहत ह,
"सरगदूतन उ अपने सब पवन बनावइ
अउर बनावइ आपन सेवक लपट आगी क।" ¶
८ मुला अपने पूत क बारे मँ उ कहत ह:
"हे परमेस्सर, सास्वत तोहर सिंहासन बा,
तोहार राजदण्ड बाटइ नेकी;
९ नेकी ही तोहका पिआरी बा, तोहका घृणा रही
पापन स
तउन परमेस्सर, तोहर परमेस्सर तउ चुना बा
तोहका अउर ओह महान आनन्द दिहेस।
तोहका कहूउँ जियादा तोहरे साथियन स।" §
१० उ इहउ कहत ह,
"हे पर्भू सृस्टि क जब होत रहा जन्म मँ तुमने सरग
तथा धरती क नींव राख्या
यह तोहरे हाथ का ही कारज अहइँ।
११ अउर इ सब नस्ट होइ जइहीं
मुला रहेगा तू चिरन्तर पुरान कपड़ा स फटि जइहीं
इ सबइ
१२ अउर तू परिधान जइसेन ओनका लपेटब्या
बदल उ जइहीं फिन कपड़ा जइसेन।
मुला तू तउ अहसेन, जैसा की चाह्या रहब्या
तोहरे समइ का कबहूँ न अन्त होई।" **
१३ परमेस्सर त कबहूँ कउनो सरगदूत स अइसेन
नाहीं कहेस:
"बइठा जा तू दहिने मोरे कि
ब जब तलक मइँ न तोहरे दस्मनन क चरन क
चौकी बनाइ देउँ चरन तल तोहरे।" ††
१४ का सबहिं सरगदूत उद्धार पावइवालन क सेवा
क बरे पठई गईन सहायक आतिमा नाहीं अहइँ।

सावधान रहइ क चेतावनी

२ १ एह बरे हमका अउर जियादा सावधानी क
साथे, जउन कछू सुने अही, ओह प धियान
देइ चाही ताकि हम भटकइ न पाइ। २ काहेकि
अगर सरगदूतन द्वारा दीन्ह गवा उपदेस सत्य होत
ह अउर ओकरे हर एक उल्लंघन अउर अवज्ञा
क बरे उचित सजा दीन्ह गवा तउन अगर हम
अइसेन महान उद्धार क अपेच्छा कइ देत अही
तउ हम दण्ड स कइसे बची। ३ एह उद्धार क पहिली
घोसना पर्भू क जरिये की गइ रही। अउर फिन जे
एका सुने रहेन, उ हमरे बरे एकर पुस्टि किहेस।
४ परमेस्सर तउ अचरजन, अद्भुत चिन्हन तरह-

---

*१ :५ उद्धृत भजन संहिता २ :७
†१ :५ उद्धृत २ समूएल ७ :१४
‡१ :६ उद्धृत व्यवस्था विवरण ३२ :४३
¶१ :७ उद्धृत भजन संहिता १०४ :४
§१ :९ उद्धृत भजन संहिता ४५ :६-७
**१ :१२ उद्धृत भजन संहिता १०२ :२५-२७
††१ :१३ उद्धृत भजन संहिता ११० :१

तरह क अद्भुत कारजन उ पवित्तर आतिमा क
उन उपहारन द्वारा जउन ओकर इच्छा क अनुसार
बाँटा गवा रहा, एका प्रमाणित किहेस।

उद्धारकर्ता मसीह क मानुस देह धारण

५ ओह भावी संसार क, जेकर हम चरचा करत
अही उ सरगदूतन क अधीन नाहीं किहेस, ६ बल्कि
पवित्तर सास्तरन मँ कउनउ स्थान पर कउनो इ
साच्छी दिहे अहइ:
"परमेस्सर का बा मनई जउन
तू ओकर सुध लेत अहा ?
का अहइ हर मनई क पूत
जेकर बरे अहा चितिंत तू ?
७ तू सरगदूतन स किंचित ओका कम कीहा
तनिक स समइ क रख दिहा ओका सिर महिमा
अउर सम्मान क राजमुकुट
८ अउर ओकरे चरनन तरे ओकरे अधीनता मँ रख
दिहा सभन कछू।" ‡‡
सब कछू क ओकरे अधीन रखत भए परमेस्सर
तउ कछू भी अइसेन नाही छोड़ेस जउन्न ओकरे
अधीन न होइ। फिन भी आजकाल हम हर एक
चीज क ओकरे अधीन नाहीं देखत हई। ९ मुला हम
इ देखित हई कि उ ईसू जेका तनिक समइ क बरे
सरगदूतन स नीचे कइ दीन्ह गवा रहा, अब ओका
महिमा अउर सम्मान क मुकुट पहिनावा गवा बा
काहेकि उ मउत क यातना झेले रहा। जे परमेस्सर
क अनुग्रह क कारण उ हर एक लोग क बरे मउत
क अनुभव किहेस।

१० परमेस्सर एक ही बाटइ जउन सबहिं चीजन
क बनएस। अउर सबहिं चीजन ओकरी महिमा
बरे अहइँ। कइयउ बेटवन क महिमा प्रदान करत
भवा उ परमेस्सर क बरे जेकर द्वारा अउर जेकरे बरे
सब क अस्तित्व बना भवा बा, तउ उ ईसू क पूर्ण
बनाएस। ओकरे बेटवन क इ सोभा देत ह कि उ
ओनके छुटकारा क विधाता क जातनन क द्वारा
पूरा सिद्ध करइ।

११ उ दुइनउँ ही-उ (ईसू) जउन मनई क पवित्तर
बनावत ह अउर उ पचे जउन पवित्र बनावा जात
हीं, एक्कई परिवार क अहइँ। इहीं बरे उ (ईसू)
ओन्हन क भाइयन तथा बहिनियन कहइ मँ लज्जा
नाहीं करत ह। १२ ईसू कहेस,

"आपन भाइयन मँ नाउँ क उद्घोस तोहरे मइँ
करबइ
सभा क बीच सबके सामने प्रसंसा गीत तोहरे
गउबइ मइँ।" ¶¶

१३ अउर फिन,
"मइँ ओकर बिसवास करबइ।" §§
अउर फिन उ कहत ह:
"मइँ इहाँ हउँ, अउर उ पचे सन्तान जउन हइन
साथे मोरे हई दीन्ह जेनका मोरे परमेस्सर।"
*

१४ काहेकि संतान माँस अउर लहू स युक्त रही
इही बरे ऊहउ ओनकइ इ मानुसता मँ सहभागी
होइ गवा ताकि अपने मउत क जरिये उ ओका
मतलब सइतान क खतम कइ सकइ जेकरे लगे
मारइ का सक्ती बाटइ। १५ अउर ओन्हन क मुक्त
कइ लेइ जेकर सम्पूर्ण जीवन मउत क बरे आपने
भय क कारण दासता मँ बीता बा। १६ काहेकि
उ निस्चित बा कि उ सरगदूतन नाहीं बल्कि
इब्राहीम क बंसजन क सहायता भी करत अहइ।
१७ इही बरे उ सब तरह स ओकरे भाइयन क
जइसा बनावा गवा ताकि उ परमेस्सर क सेवा
मँ दयालु अउर बिसवासी महाजायक बनि सकइ।
अउर लोगन क ओनके पापन क छमा देवॉवइ क
बरे बलि दइ सकइ। १८ काहेकि उँ खुदइ ओह समइ,
जब ओकर परीच्छा लीन्ह जात रही खूबइ जातना
भोगे अहइ। इही बरे जेकर परीच्छा लीन्ह जात
बाटइ उ ओकर सहायता करइ मँ समर्थ बा।

ईसू मूसा स महान

३ १ अत: सरगे क एक बोलावा मँ भागीदार हे
पवित्तर भाइयो! आपन ध्यान ओह ईसू प
लगाइ रखा जउन परमेस्सर क प्रतिनिधि अउर
हमार घोसित बिसवास क अनुसार महायाजक
अहइ। २ जइसेन परमेस्सर क समूचा घरे मँ मूसा
बिसवासी रहा वइसे ही ईसू भी जे ओका नियुक्त
किहे रहा ओह परमेस्सर क बरे, बिसवास स भरा
रहा। ३ जइसेन घर क निर्माण करइवाला खुद घर
स जियादा आदर पावत ह, वइसेन ईसू मूसा
स जियादा आदर का पात्र माना गवा अहइ।
४ काहेकि हर एक भवन क कउनउ न कउनउ
बनावइ वाला होत ह, मुला परमेस्सर तउ सब

---

‡‡२ :८ उद्धृत भजन संहिता ८ :४-६
¶¶२ :१२ उद्धृत भजन संहित २२ :२२
§§२ :१३ उद्धृत यसायाह ८ :१७
*२ :१३ उद्धृत यसायाह ८ :१८

चीज क सिरजनहार अहइ। ५ परमेस्सर क समूचा
घराना मँ मूसा एक सेवक क समान विसवास
पात्र रहा, उ ओन्हन बातन क साच्छी रहा जउन
भविस्स मँ परमेस्सर क जरिये कही जाइ क रहिन।
६ मुला परमेस्सर क घर मँ मसीह तउ एक बेटवा
क रूपे मँ निस्ठावान योग्य अहइ अउर अगर
हम अपने साहस अउर ओह आसा मँ बिसवास क
बनाए रखित तउ हम ही ओकर घराना हई।

अबिसवासियन क विरूद्ध चेतावनी

७ एह बरे पवित्तर आतिमा कहत ह:
"आज अगर ओकर सुना आवाज,
८ जिन करा आपन हिरदय क जड़ रहेन किहे
जइसेन बगावत क दिना मँ
जब तू पचे रेगिस्तान मँ
परमेस्सर क परखे रह्या
९ मोका परखेन तोहार पूर्वजन तउ, लिहेन
परीच्छा धीरज क मोर ओ सबइ
अउर देखेन काम मोर जेन्हे मइँ करत रहेउँ
चालीस बरस!
१० इहइ रहा उ कारण जेसे क्रोधित मइँ ओन्हन
लोगन स रहेउँ:
अउर फिन मइँ कहे रहेउँ, 'हिरदय एनकइ भटकत
रहत रहेन
हमेसा ही का नाहीं इ जानतेन जउन रस्ता मोर'
११ क्रोध मँ मइँ इही स तब सपथ लइके कहे रहेउँ
'इ कबहुँ बिस्राम मँ मोरे न सामिल होइहीं।'" †

१२ भाइयो तथा बहिनियो, देखत रहा कहूँ
तोहमाँ स कउनो क मन मँ पाप अउर अबिसवास
न समाइ जाइ जउन तोहे सजीव परमेस्सर से भी
दूर भटिकाइ देइ। १३ जब तलक इ "आजु" क दिना
कहवावत ह, तू हर दिन परमेस्सर एक दुसरे क
ढाँढ़स बंधावत रहा जइसेन तोहमाँ स कउनउ पाप
क छलावा मँ पड़िके जड़ न बनि जाए। १४ अगर
हम अंत तक मजबूती क साथे अपने आरम्भ
क बिसवास क थामे रहित ह तउ हम मसीह क
भागीदारि बनि जाइत ह। १५ जइसेन कि कहा भी
गवा बा:
"आजु अगर ओकर सुना आवाज!
न करा आपन हिरदय क जड़ रहे किहे
जइसेन कि बगावत क दिनन मँ।" ‡

१६ भला उ पचे कउन रहेन जइसेन उ पचे सुनेन
अउर बिद्रोह किहेन? का उ पचे उहइ सब नाहीं
रहेन जेन्हे मूसा तउ मिस्र स बचाइ क निकाले
रहा? १७ उ चालीस बरसन तलक केन पइ क्रोधित
रहा? का ओनहीं प नाहीं जे पाप किहे रहेन
अउर जेनकर ल्हास रेगिस्तान मँ पड़ा रहेन?
१८ परमस्सर कनके बरे सपथ उठाए रहा कि उ पचे
ओकर बिस्राम मँ प्रवेस न कर पइहीं? का उ पचे
उहइ सब नाहीं रहेन जे ओनके आज्ञा क उल्लंघन
किहे रहेन? १९ एह तरह हम देखित अही कि उ पचे
अपने अबिसवासे क कारण ही उहाँ प्रवेस पावइ
मँ समर्थ नाहीं होइ सका रहेन।

४ १ अत: जब ओकरे बिस्राम मँ प्रवेस क
प्रतिज्ञा अब तलक बीन भइ बाटइ तउ
हमका सावधान रहइ चाही कि तोहरे म स कउनउ
अनुपयुक्त सिद्ध न होइ। २ काहेकि हमकउ ओनही
क समान सुसमाचार क उपदेस दीन्ह गवा बा।
मुला जउन उपदेस ओ पचे सुनेन ह, उ ओनके बरे
बेकार बा। काहेकि उ पचे जब ओका सुनेन तउ
एका बिसवास क साथे धारण नाहीं किहेन। ३ अब
देखा, हम तउ जउन बिसवासी अही ओह बिस्राम
मँ प्रवेस पाए अही। जइसेन कि परमेस्सर कहे भी
बाटइ:
"क्रोध मँ मइँ इही स तब सपथ लइके कहे रहेउँ,
'इ पचे कबहुँ बिस्रामे मँ मोरे नाहीं सामिल
होइहीं।'" ¶
जब संसार क सृस्टी करइ क बाद ओकर काम
पूरा होइ गवा रहा। ४ उ सतवाँ दिना क सम्बन्ध
मँ एन सब्दन मँ कहूँ पवित्तर सात्तरन मँ कहा
बाटइ "अउर फिन सतवें दिना आपन सभन कामन
स परमेस्सर तउ बिस्राम लिहेस।" §५ अउर फिन
उपरोक्त सन्दर्भ मँ भी उ कहत ह, "उ पचे कबहुँ
बिस्राम मँ मोर न सामिल होइहीं।"

६ जेनका पहिले सुसमाचार सुनावा गवा रहा
आपन अनाज्ञाकारिता क कारण उ तउ बिस्राम
मँ प्रवेस नाहीं पाइ सकेन मुला अउरन क बरे
बिस्राम क दुवार अबऊ खुला बा। ७ इही बरे
परमेस्सर तउ फिन एक बिसेस दिन निस्चित
किहेस अउर ओका नाउँ दिहेस, "आजु" कछू
बरसन क बाद दाऊद क द्वारा परमेस्सर तउ उ दिन

---

†३ :११ उद्धृत भजन संहिता ९५ :७-११
‡३ :१५ उद्धृत भजन संहिता ९५ :७-८
¶४ :३ उद्धृत भजन संहिता ९५ :११
§४ :४ उद्धृत उत्पत्ति २ :२

क बारे मँ पवित्तर सास्तर मँ बताए रहा। जेकर उल्लेख हम अबहीं किहे रहे:
"आज अगर ओकर सुना आवाज,
न करा आपन हिरदय क जड़।" **
८अत: अगर यहोसु ओनका बिस्रामे मँ लइ गवा होत तउ परमेस्सर बाद मँ कउनउ अउर दिना क बारे मँ न बतउतइ। ९तउ खैर जउन भी होइ परमेस्सर क भक्तन क बरे एक वइसी बिस्रन्ति रहत अहइ जइसेन बिस्रान्ति सातवें दिना परमेस्सर क रही। १०काहेकि जउन कउनो परमेस्सर क बिस्रान्ति मँ प्रवेस करत ह, अपने करमन स बिस्रान्ति पाइ जात ह। वइसेन ही जइसेन परमेस्सर तउ अपने करमन स बिस्रान्ति पाइ लिहेस। ११तउ आवा हमहूँ ओह बिस्रान्ति मँ प्रवेस पावइ क बरे हर एक प्रयत्त करीं। ताकि ओकर अनाज्ञाकारिता क उदाहरण क करत भए कउनो क पतन न होइ।

१२परमेस्सर क बचन त सजीव अउर क्रियासील बा, उ कउनो दुधारी तलवार से भी जियादा पैना बा। उ आतिमा अउर प्राण, संधियन अउर मज्जा तलक मँ गहिरा बेध जात ह। उ मनक, क वृत्तियन अउर बिचारन क परख लेत ह। १३परमेस्सर क दिस्टी स एह समूचे सुस्टि मँ कछू भी ओझल नाहीं बाटइ। ओकरे आँखिन क सामने जेका हमका लेखा-जोखा देइ क बा, हर चीज बिना कउनो आवरण क उघड़ी हुई बाटइ।

महान महायाजक ईसू

१४एह बरे काहेकि परमेस्सर क पूत ईसू एक अइसेन महान महायाजक अहइ, जउन सरगे मँ स होइके गवा अहइ तउ हमका अपने अंगीकृत अउर घोसित बिसवास क दृढ़ता क साथे थामे रखइ चाही। १५काहेकि हमरे लगे जउन महायाजक अहइ, उ अइसेन नाहीं अहइ जउन हमार कमजोरी क साथे सहनुभूति न रख सकइ। ओका हर तरह स वइसेन ही परखा गवा बा जइसेन हमका फिन भी हमेसा पाप रहित बा। १६त फिन आवा हम भरोसा क साथे अनुग्रह पावइ परमेस्सर क सिंहासन कइँती बढ़ी ताकि जरूरत पड़इ प हमार सहायता क बरे हम दया अउर अनुग्रह क पाइ सकी।

५ १हर एक महायाजक मनइयन स ही चुना जात ह। अउर परमात्मा सम्बन्धी बिसयन मँ लोगन क प्रतिनिधित्व करइ क बरे नियुक्त कइ जात ह ताकि उ पापन क बरे भेंट य बलिदान चढ़ावइ। २काहेकि उ खुद भी कमजोरन क अधीन अहइ, इही बरे उ न समझन अउर भटकन भएन क साथे कोमल व्यवहार कइ सकत ह। ३इह बरे ओका अपने पापन क बरे अउर वइसेन लोगन क पापन क बरे बलिदान चढ़ावइ पड़त ह।

४एह सम्मान क कउनो अपने प नाहीं लेत। जइसेन कि हारून क समान परमेस्सर कइँती स ठहरावा न जात। ५इही तरह मसीह तउ महायाजक बनइ क महिमा क खुद ग्रहण नाहीं किहेस बल्कि परमेस्सर तउ ओसे कहेस,
"तू अहा मोर पूत बना हउँ
आजु, मइँ तोहार पिता।" ††
६अउर एक उ स्थान प उहउ कहत ह,
"तू अहा एक सास्वत याजक,
मलिकिसिदक ‡‡क जइसा।" ¶¶

७ईसू तउ एह धरती पे क जीवन काल मँ जउन ओका मउत स बचाइ सकत ह, ऊँचे सुर मँ पुकारत भए अउर रोबत भए ओसे सबइ पराथना अउर सब बिनती किहे रहा अउर आदरपूर्ण समर्पण क कारण ओकर सुनी गइ। ८जद्यपि उ ओकर बेटवा रह फिन भी जातना झेलत हुए उ आज्ञा क पालन करइ सीखेस। ९अउर एक दाईं सम्पूर्ण बनि जाइ प उ सब क बरे जउन ओकरी आज्ञा क पालन करत हीं उ अनन्त छुटकारा क स्रोत बनि गवा। १०अउर परमेस्सर क जरिये मलिकिसिदक क परम्परा मँ ओका महायाजक बनावा गवा।

पतन क बिरूद्ध चेतावनी

११एकरे बारे मँ हमारे लगे कहइ क बहुत कछू बा, प ओकर ब्याख्या कठिन बा काहेकि तोहार समझ बहुत धीमी बाटइ। १२सही मँ एह समइ तलक तउ तोहे सबन क सिच्छा देइ वाला बनि जाइ चाही रहा। परन्तु तोहे पचन क तउ अबहिं कउनउ अइसेन मनई क जरूरत बा जउन तोहे सबन क

**४ :७ उद्धृत भजन संहिता ९५ :७-८
††५ :५ उद्धृत भजन संहिता २ :७
‡‡५ :६ मलिकिसिदक इब्राहीम क समइ क एक याजक अउर बड़का महाराजा रहा। उत्पत्ति १४ :१७-२२

¶¶५ :६ उद्धृत भजन संहिता ११० :४

नवा सिरे स परमेस्सर क उपदेस क आरम्भिक बात
ही सिखावइ। तोहे सबन क तउ बस अबहिं दूध ही
चाही ठोस आहार नाहीं।१३ जउन अबहीं दुध-मुँहा
बच्चा ही अहइँ ओका धरम क बचन क पहिचान
नाहीं होत।
१४ मुला ठोस आहार तउ ओन बड़न क बरे होत
ह जे अपने आत्मिक दृस्टि क प्रसिच्छन स भला-
बुरा मँ पहिचान करब सीख लिहे अहइँ।

६ १–२ अत: आवा, मसीह सम्बन्धी आरम्भिक
सिच्छा क छोड़िके हम मजबूती कइँती बढ़ी
हमका ओन बातन कइँती अउर न बढ़इ चाही
जइसेन हम सुरुआत कीन्ह जइसेन मउत कइँती
लइ जाइवाला करमन क बरे मनफिराव, परमेस्सर
मँ बिसवास, बपतिस्मावन §§क सिच्छा, हाथ
रखइ, मरइ क बाद फिन स जी उठइ अउर
उ निआव जइसेन हमार भावी अनन्त जीवन
निस्चित होई। ३ अउर अगर परमेस्सर चाहे तउ
हम अइसेन ही करबइ।
४–६ जेनका एक बार प्रकास मिली चुका अहइ,
जउन सर्गीय बरदान क अस्वादन कइ चुका होइँ,
जउन पवित्तर आतिमा क सहभागी होइ गवा
अहइँ जउन परमेस्सर क बचन क उत्तिमताई अउर
आवइवाला जुग क सक्तियन क अनुभव कइ चुका
अहइँ, अगर उ भटकि जाइँ तउ ओनका मनफिराव
कइँती लउटाइ लेब असम्भव बा। उ पचे जइसेन
अपने ढंग स नवा सिरे स परमेस्सर क पूत क
फिन स क्रूस पचढ़ाएन अउर ओका सबक सामने
आपमान क बिसय बनाएन।
७ उ लोग अइसेन धरती क जइसेन अहइँ जउन
हमेसा होइवाली बरखा क जल क सोख लेत ह,
अउर जोतइ-बोवइवालन क बरे उपयोगी फसल
प्रदान करत ह, उ परमेस्सर क असीस पावत
ह। ८ मुला अगर उ जमीन प कांटा अउर गोखरु
उपजावत ह, तउ उ बेकार कअहई। अउर ओका
अभिसप्त अहइ क भय बा। अंत मँ ओका जलाइ
दीन्ह जाई।
९ पिआरे दोस्तन, चाहे हम एह तरह कहित ह
मुला तोहरे बारे मँ हमका अइसेन अच्छी बातन
क बिसवास बा-बातन जउन उद्धार स सम्बन्धित
बाटिन। १० तू ओनके सब जन क सहायता कइके
अउर हमेसा सहायता करत भए जउन पिरेम
दरसाए अहा ओका अउर तोहार दूसरे कामन
क परमेस्सर कबहुँ न भुलाई। उ अन्यायी नाहीं
अहइ। ११ हम चाहित ह कि तोहमाँ स हर कउनो
जीवन भर अइसेन ही दिन भर मेहनत करत रहइ।
अगर तू अइसेन करत ह तउ तू निच्चित ही
ओका पाइ जाब्या तू आसा करत रहे अहा। १२ हम
इ नाहीं चाहित कि तू आलसी होइ जा। बल्कि
तू ओनकर अनुकरण करा जउन बिसवास अउर
धीरज क साथे ओन्हन चीजन क पावत अहइँ
जेनका परमेस्सर तउ बचन दिहे रहा।
१३ जब परमेस्सर इब्राहीम स प्रतिज्ञा किहे
रहा, तब काहेकि खुद ओसे बड़का कउनो अउर
नाहीं रहा, जेकर सपथ लीन्ह जाइ सकइ, इही
बरे आपन सपथ लेत भवा। १४ उ कहइ लाग,
“निस्चित ही मइँ तोहका आसीर्वाद देबइ अउर
मइँ तोहका कइयउ बंसज भी देबइ।” *१५ अउर
एह तरह इब्राहीम धीरज क साथे बाटे जोहइके
बाद उ इ पाएस जेकर उ प्रतिज्ञा कीन्ह गइ रही।
१६ लोग ओकर सपथ लेतहीं जउन कउनो ओसे
महान होत ह अउर उ सपथ सबहिं तर्क-बितर्कत
क अन्त कइके जउन कछु कहा जात ह, ओका
पक्का कइ देत ह। १७ परमेस्सर एका ओन्ह पचन
क बरे, कुल तरह स्पस्ट कइ देइ चाहत रहा, जेका
ओन्हे पावइ क रहा, जेका देइ क उ प्रतिज्ञा किहे
रहा कि उ अपने प्रयोजन क कबहुँ न बदलइ।
इही बरे अपने बचन क साथे उ आपन सपथ क
जोड़ दिहेस। १८ तउ फिन हियाँ दुइ बात-हइन
ओकर प्रतिज्ञा अउर ओकर सपथ-जउन कबहुँ
नाहीं बदल सकतिन अउर जेकरे बारे मँ परमेस्सर
कबहुँ झूठ नाहीं कहि सकत।
इही बरे हम जउन परमेस्सर क लगे सुरच्छा
पावइ क आइ अहइ अउर जउन आसा उ हमका
दिहे अहइ, ओका थामे भए हई, अउर जियादा
उत्साहित अही। १९ इ आसा क हम आतिमा क
सुदृढ़ अउर सुनिस्चित लंगर क रूप मँ धरे अही।
इ परदा क पीछे भित्तर स भित्तर अन्तरतम तलक
पहुँचत ह। २० जहाँ ईसू तउ हमरे कइँती स हमसे
पहिले प्रवेस किहेस। उ मलिकिसिदक क परम्परा
मँ सदा हमेसा क बरे महा याजक बनि गवा।

याजक मलिकिसिदक

७ १ इ मलिकिसिदक सालेम क राजा रहा अउर
सर्वोच्च परमेस्सर क याजक रहा। जब

§§६ :१-२ बपतिस्मावन बपतिस्मावन स हिआँ या तउ अरथ मसीही बपतिस्मा स बाटइ या यूहदी रीति क पानी मँ बुड़की लेइ क बपतिस्मा स।
*६ :१४ उद्धृत उत्पत्ति २२ :१७

इब्राहीम राजा लोगन क पराजित कइके लउटत रहा त उ इब्राहीम स मिला अउर ओका आसीर्बाद दिहेस। २ अउर इब्राहीम तउ ओका उ सब कछू मँ स जउन उ युद्ध मँ जीते रहा ओकर दसवाँ भाग प्रदान किहेस।

ओकरे नाउँ क पहिला अर्थ अहइ, "धार्मिकता क राजा" अउर फिन ओकर इ अर्थ अहइ, "सालेम क राजा" मतलब "सान्ति क राजा।" ३ ओकरे पिता या ओकरी महतारी अउर ओकरे पूर्वजन क कउनो इतिहास नाहीं मिलत ह। ओकर जन्म अउर मउत क कहुँ कउनउ उल्लेख नाहीं बा। परमेस्सर क पूत क समान ही उ हमेसा-हमेसा क बरे याजक बना रहत ह।

४ तनिक सोचा, उ केतॅना महान रहा। जेका कुल प्रमुख इब्राहीम तलक तउ अपने प्राप्ति क दसवाँ भाग दिहे रहा। ५ अब देखा व्यवस्था क अनुसार लेवी बंसज जउन याजक बनत हीं लोगन स मतलब अपनी ही भाइयन स दसवाँ भाग लेइँ। जद्यपि ओनकर उ सबइ भाई इब्राहीम क बंसज अहइँ। ६ फिन उ मलिकिसिदक जउन लेवीबंसी भी नाहीं रहा, इब्राहीम स दसवाँ भाग लिहेस। अउर उ इब्राहीम क आसीर्बाद दिहेस जेकरे लगे परमेस्सर क प्रतिज्ञा रही। ७ एहमाँ कउनउ संदेह नाहीं रहा कि जउन आसीर्बाद देत ह उ आसीर्बाद लेइवाला स बड़ा होत ह।

८ जहाँ तलक लेवियन क प्रस्न बा, ओहमाँ दसवाँ भाग ओन्हन मनइयन द्वारा एकट्ठा कीन्ह जात ह, जउन मरणसील हयेन मुला मलिकिसिदक क जहाँ तलुक प्रस्न बा दसवाँ भाग ओकरे दुवारा एकत्र कीहा जात ह, जउन पवित्तर सास्तर क अनुसार अबहुँ जिन्दा अहइँ। ९ तउ फिन कउनो इहाँ तलक कहि सकत ह कि उ लेवी जउ न दसवाँ भाग एकट्ठा करत ह, उ इब्राहीम क जरिये दसवाँ भाग प्रदान कइ दिहेस। १० काहेकि जब मलिकिसिदक इब्राहीम स मिला रहा, तबउ लेवी अपने पर्वजन क सरीर मँ वर्तमान रहा।

११ अगर लेवी सम्बन्धी याजकता द्वारा पूर्णता पाइ जाइ सकत काहेकि इही क अधार प लोगन क व्यवस्था दीन्ह गवा रहा। त कउनो दुसर याजक क आवइ क जरूरत इ का रही? एक अइसेन याजक क जउन मलिकिसिदक क परम्परा क होइ, न कि हारून क परम्परा क। १२ काहेकि जब याजकता भी बदलत ह, तउ व्यवस्था मँ भी परिवर्तन होइ चाही। १३ जेकरे बिषय मँ इ सबइ बात कही गइ बाटिन, उ कउनो दुसरे गोत्र क अहइ, अउर ओह गोत्र क कउनो मनई कबहुँ वेदी क सेवक नाहीं रहा। १४ काहेकि इ तउ स्पस्ट इ बा कि हमार पर्भू यहूदा क बंसज रहा अउर मूसा तउ ओह-गोत्र क बरे याजकन क बारे मँ कछू नाहीं किहे रहा।

ईसू मलिकिसिदक क जइसनएक याजक हयेन

१५ अउर जउन कछू हमहूँ कहे हई अउर उ स्पस्ट बा कि मलिकिसिदक क जइसेन एक दुसर याजक प्रकट होत ह। १६ उ आपन वंसावली क नियम क आधार प नाहीं बल्कि एक अनन्त जीवन क सक्ती क आधार प याजक बना अहइ। १७ काहेकि घोसित कीन्ह गवा रहा, "तू अहा एक याजक सास्वत मलिकिसिदक क जइसा।" †

१८ पहिला नियम एह बरे रद्द कइ दीन्ह गवा काहेकि उ कमजोर अउर बेकार रहा। १९ काहेकि व्यवस्था तउ कउनो क सम्पूर्ण सिद्ध नाहीं किहेस अउर एक अच्छी आसा क सूत्रपात किन्ह गवा जेकरे द्वारा हम परमेस्सर क लगे खिंचित ह।

२० इ बात भी महत्वपूर्ण बा कि परमेस्सर तउ ईसू क सपथ क द्वारा महायाजक बनाए रहा। जबकि अउरन क बिना सपथ कउनो महायाजक बनावा गवा रहा। २१ मुला ईसू तब एक सपथ स याजक बना रहा, जब परमेस्सर तउ ओसे कहे रहा,

"पर्भू तउ लिहे अहइ सपथ
अउर उ कबहुँ नाहीं बदली निज मत
'तू अह एक ठु याजक सास्वत।'" ‡

२२ इ सपथ क कारण ईसू एक अउर अच्छा करार क जमानत बन गवा बा।

२३ अब देखा। अइसेन बहुत स याजक हुआ कतत हीं जेन्हे मउत तउ अपने गोड़े प नाहीं बनइ रहइ दिहेस। २४ मुला काहेकि ईसू अमर अहइ, इही बरे ओकर याजकपन भी हमेसा-हमेसा बना रहइवाला अहइ। २५ अत: जउन लोग ओकरे द्वारा परमेस्सर तक पहुँच हीं, उ ओनकर हमेसा क बरे उद्धार करइ मँ समर्थ अहइ, काहेकि उ ओनकर मध्यस्थता क बरे ही हमेसा जिअत ह।

२६ अइसेन ही महायाजक हमार जरूरतन क पूरा कइ सकत ह, जउन पवित्तर होइ, दोस रहित होइ, सुद्ध होइ, पापियन क प्रभाऊ स दूर रहत होइ, सरग से भी जेका ऊँचा उठावा गवा होइ। २७ जेकरे बरे दुसर याजकन क समान इ जरूरी न

† ७ :१७ उद्धृत भजन. ११० :४
‡ ७ :२१ उद्धृत भजन संहिता ११० :४

अहइ कि उ दिन प्रतिदिन पहिले अपने पापन क
बरे अउर फिन लोगन क पापन क बरे बलिदान
चढ़ावइ। उ तउ हमेसा-हमेसा क बरे ओनके पापन
क बरे खुद अपने आप क बलिदान कइ दिहेस।
२८ काहेकि व्यवस्था दुबर्ल लोगन क याजक क रूप
मँ नियुक्त किहेस। मुला सपथ क बचन व्यवस्था
क बाद आवा, उस बचन क द्वारा परमेस्सर बेटवा क
महायाजक क रूप मँ नियुक्त किहेस जउन हमेसा
हमेसा क बरे पूरा बनि गवा।

नवा करार क महाजायक

८ १ जउन कछू हम कहत अही कि, ओकर
मुख्य बात इ बा: निस्चय ही हमरे लगे एक
अइसा महायाजक बा जउन सरगे मँ ओह महा
महिमावान क सिंहासन क दहिने हाथ बिराजमान
अहइ २ उ ओह पवित्तर गर्भ गृह मँ यानी स्वर्गिक
रावटी, मँ जेका परमेस्सर तउ स्थापित किहे रहा,
न कि मनई, सेवा क काम करत ह।
३ हर एक महायाजक क एह बरे नियुक्त कीन्ह
जात ह उ भेंटन अउर बलिदानन-दुन्नऊ क ही
अर्पित करइ। अउर इही बरे एह महायाजक क
बरे भी जरूरी रहा कि ओकरे लगे भी चढ़ावा क
बरे कछू होइ। ४ अगर उ धरती प होत तउ उ
याजक नाहीं होइ पावत काहेकि उहाँ पहिलेन स
ही अइसेन मनई अहइँ जउन व्यवस्था क अनुसार
भेंट-चढ़ावत हीं। ५ पवित्तर आराधना स्थान मँ
ओनकर सेवा-आराधना सरगे क यथार्थ क एक
छाया नकल अहइ। इही बरे जब मूसा पवित्तर
रावटी क निर्माण करइवाला रहा, तबइ ओका
चेतावनी दइ दीन्ह गइ रही: "ध्यान रहइ कि तू हर
चीज ठीक उही प्रतिरूप क अनुसार बनावा जउन
तोहका पर्वत प देखावा गवा रहा।" ६ मुला जउन
सेवा काम ईसू क मिला बा, उ ओनके सेवा काम स
स्रेस्ठ बा। काहेकि उ जेह करार क मध्यस्थ अहइ
उ पुरान करार स भी उत्तिम अहइ अउर उत्तिम
चीजन क सबइ प्रतिज्ञा प अधारित बा।
७ काहेकि अगर पहिला करार मँ कउनउ खोट
नाहीं होत तउ दुसरे करार क बरे कउनउ स्थान
इ नाहीं रही जात। ८ मुला परमेस्सर क ओन्हन
लोगन मँ खोट मिला उ कहेस:

"पर्भू घोसित करत ह, आवत अहइ उ समइ
करबइ,
जब मइँ इस्राएल क घराना स
यहूदा क घराना स एक नवा करार
९ इ करार होई न वइसेन
जइसेन किहे रहेउँ मइँ ओनके पूर्वजन क साथ
ओह समइ जब मइँ ओनकर हाथ
मिस्र स निकाल लइयावइ बरे पकड़े रहेउँ
काहेकि पर्भू कहत ह, उ मोरे करार मँ बिसवास
नाहीं रखत
मइँ ओनसे मुहँ फेर लिहेउँ।
१० इ बा उ करार जेका मइँ इस्राएल क घराना स
करबइ।
अउर फिन ओनके बाद पर्भू घोसित करत ह
ओनके मन मँ निज व्यवस्था बसउबइ मइँ
ओनके हिरदय प लिखि देबइ मइँ
ओनका परमेस्सर बनबइ
अउर उ मोर जन होइहीं।
११ फिन तउ कबहुँ कउनो जन अपने पड़ोसी क,
अइसेन न सिखावइ या
कउनो जन न अपने भाइयन स कबहुँ कही तू पर्भू
क पहचाना।
काहेकि तब त ओ सभन छोट से लइ के बड़न से
बड़न मोका जनिहीं तलक।
१२ काहेकि मइँ ओनके दुस्ट करमन क छमा करबइ
अउर कबहुँ ओनके पापन क याद न रखबइ।" ¶

१३ एह करार क नवा कहिके उ ओनसे पहिले क
व्यवहार क अयोग्य ठहरायेस। अउर जउन पुरान
पड़त अहइ अउर व्यवहार क अयोग्य अहइ, उ त
फिन जल्दी ही लुप्त होइ जाई।

पुराने करार क आराधना

९ १ अब देखा पहिले करार मँ ही आराधना क
नियम रहेन। अउर एक मनई क हाथन क
बना आराधना घर भी रहा। २ एक रावटी बनाइ
गइ रही जेकरे पहिले कच्छ मँ दीपाधार रहेन, मेज
रहिन, अउर भेंट क रोटी रही। एका पवित्तर स्थान
कहा जात रहा। ३ दुसरे परदा क पीछे एक अउर
कमरा रहा जेका परम पवित्तर कहा जात बा।
४ एहमन सुगंधित सामग्री क बरे सोना क वेदी
अउर सोना क मढ़ी करार क पेटी रही। एह पेटी
मँ सोना क बना पन्ना क एक पात्र रहा, हारून क
उ छड़ी रही जेह पर कोपल फूटी रही अउर करार
क पाथर क पतरा रहेन। ५ पेटी क ऊपर परमेस्सर
क महिमामय उपस्थिति क प्रतीक यानि करूब
बना रहेन जउन छमा क स्थान पर छाया क करत
रहेन। मुला एह समइ हम इन बातन क बिस्तार
क साथे चर्चा नाहीं कइ सकित।

¶८ :१२ उद्धृत यिर्मयाह ३१ :३१-३४

६ सब कछू क एह तरह व्यवस्थित होइ जाइ
क बाद याजक बाहरी कच्छ मँ प्रति दिन प्रवेस
कइके आपन सेवा क काम करइ लागेन। ७ मुला
भीतर कच्छ मँ केवल महाजाजक ही प्रवेस करत
रहा अउर उहऊ साल मँ एक दाई। उ बिना ओह
लहू क कबहुँ प्रबेस नाहीं करत रहा जेका उ खुद
अपने द्वारा अउर लोगन क द्वारा अनजाना मँ
कीन्ह गए पापन क बरे भेंट चढ़ावत रहेन।

८ एकरे द्वारा पवित्तर आतिमा इ दरसावा करत
रहा कि जब तलक अबहिं पहिली रावटी खड़ी
भई बा, तब तलक परम पवित्तर स्थान क रस्ता
उजागर नाहीं होइ पावत। ९ इ आजु क जुग क
बरे एक प्रतीक अहइ जउन इ दरसावत ह कि
भेंट अउर बलिदान जेका अर्पित कीन्ह जात बा,
आराधना करइवालन क चेतना क सुद्ध नाहीं
कइ सकत। १० इ सबइ तउ बस खाइपिअइ अउर
कइयउ पर्व बिसेस-स्थानन क बाहेर क नियम
अहइँ अउर नइ व्यवस्था क समई तक क बरे ही
इ लागू होत हीं।

मसीह क लहू

११ मुला अब मसीह इ अउर अच्छी व्यवस्था
क, जउन अब हमरे लगे बा, महायाजक बनिके
आइ गवा बा। उ ओह जियादा अच्छी अउर पूरी
रावटी मँ स होइ क प्रवेस किहेस जउन मनइयन
क हाथन क बनाइ भइ नाहीं रही। मतलब जउ
सांसारिक नाहीं बा। १२ बकरन अउर बछड़न क
लहू क लइके उ प्रवेस नाहीं किहे रहा बल्कि
सदा हमेसा क बरे भेंट सरूप अपने ही लहू क
लइके परम पवित्तर स्थान मँ ओकर प्रवेस भवा
रहा। एह तरह उ हमरे बरे पापन स सदा काल क
छुटकारा सुनिस्चित कइ दिहे बा।

१३ बकरन अउर साँड़न क खून अउर बछिया क
भभूत क ओनपइ छिड़का जाब, असुद्धन क सुद्ध
बनावत ह ताकि उ सबइ बाहरी तउर प स्वच्छ
होइ जाइँ। १४ जब इ सच बा तउ मसीह क लहू
केतँना प्रभावसाली होइ। उ अनन्त आतिमा क
द्वारा अपने आपक एक पूरी तरह बलि क रूप मँ
परमेस्सर क समपर्ति कइ दिहेस। तउन ओनकर
लहू हमरे चेतना क ओन्हन करमन स छुटकारा
देवाई जउन मउत क ओर लइ जात हीं ताकि हम
सजीव परमेस्सर क सेवा कइ सकी।

१५ इही कारण स मसीह एक नवा करार क
बीचउलिया बना ताकि जेनका बोलावा गबा बा,
उ उत्तराधिकार क अनन्त आसीर्बाद पाई सकइँ
जेनकर परमेस्सर तउ प्रतिज्ञा किहे रहा। अब
देखा, पहिले करार क अधीन कीन्ह गएन पापन
स ओन्हे छुटकारा दियावइ क बरे फिरौती क रूप
मँ उ आपन प्रान तलक दइ चुका अहइ।

१६ जहाँ तलक बसीयतनामा क प्रस्न बा, तउ
ओकरे बरे जे ओका लिखे अहइ, ओकरी मउत
क प्रमाणित कीन्ह जाब जरुरी बाटइ १७ काहेकि
कउनउ बसीयतनामा केवल तबहिं प्रभावी होत
ह जब ओका लिखइवालन क मउत होइ जात ह।
जब तलक ओका लिखइवाला जिन्दा रहत ह, उ
कबहुँ प्रभावी नाहीं होत । १८ इही बरे पिहला
करार भी बिना एक मउत अउर लहू क गिराए स
काम सुरु नाहीं कीन्ह गवा। १९ मूसा जब व्यवस्था
क प्रत्येक आदेस क सब लोगन क घोसना कइ
चुका तउ उ जल क साथे बकरन अउर बछड़न क
लहु क लाल ऊन अउर हिसप क टहनियन स चर्म
पत्रन अउर सभन लोगन पे छिड़क दिहे रहा।
२० उ कहे रहा, "इ उ करार क लहू अहइ, परमेस्सर
जेकरे पालन क आज्ञा तोहे सबन क दिहे अहइ।"
२१ उ इही तरह रावटी आराधना उत्सव मँ काम
आवइवाली सब चीज प लहू छिड़के रहा। २२ सही
या व्यवस्था चाहत ह कि अक्सर हर चीज क लहू
स सुद्ध कीन्ह जाइ। अउर बिना लहू बहाए छमा
हई या नाहीं ही बाटइ।

मसीह क बलिदान पापन क धोइ डालत ह

२३ त फिन इ जरूरी बा कि चीजन जउन सरगे
क प्रतिकृति बाटिन, ओन्हे पसुवन क बलिदान स
सुद्ध कीन्ह जाइ मुला सरग क चीजन त एनहुँन स
अच्छी बलिदानन स सुद्ध कीन्ह जाइ क अपेच्छा
करत ह। २४ मसीह तउ मनइयन क हाथन क बना
परम पवित्तर स्थान मँ, जउन सच्चा परम पवित्तर
स्थान क एक प्रतिकृति मात्र रहा, प्रवेस नाहीं
किहेस। उ तउ खुदइ सरग मँ ही प्रवेस किहेस
ताकि अब उ हमरे ओर स परमेस्सर क उपस्थिति
म प्रकट होइ।

२५ अउर नाहीं तउ आपन फिन-फिन बलिदान
चढ़ावइ क बरे उ सरगे मँ ओह तरह प्रवेस किहेस
जइसेन महायाजक उ लहू क साथे, जउन ओकर
आपन नाहीं बा, परन पवित्तर स्थान मँ हर साल
प्रवेस करत ह। २६ नाहीं त फिन मसीह क सृस्टि
क आदि स ही कइयउ दाई जातना झेलइ क
पड़त। मुला अब देखा, इतिहास क चरम बिन्दु पर
आपन बलिदान क द्वारा पापन क नास करइ क बरे
उ हमेसा हमेसा क बरे एक्कइ बार प्रकट होइ गवा
अहइ।

२७ जइसे एक बार मरब अउर ओकरे बाद
निआव क सामना करब मनई क नियति बा
२८ तउन वइसेन मसीह क, एक्कइ बार कइयउ
मनइयन क पापन क हरि लेइ क बरे बलिदान
कइ दीन्ह गवा। अउर उ पापन क बहन करइ क
बरे नाहीं बल्कि जउन ओकर बाट जोहत अहइँ,
ओनके बरे उद्धार लियावइ क फिन दुसरी दाई
प्रकट होइ।

अन्तिम बलिदान

१० १ व्यवस्था त आवइवाली अच्छी बातन क
छाया मात्र प्रदान करत ह। अपने आप मँ
उ बात यर्थाथ नाहीं हइन। इही बरे उही बलियन
क द्वारा जेन्हे हमेसा हर बरिस अनन्त रूप स दीन्ह
जात रहत ह, आराधना क बरे लगे आवइवालन
क हमेसा-हमेसा क बरे पूरा सिद्ध नाहीं कीन्ह
जाइ सकत। २ अगर अइसेन होइ पावत तउ का
ओनकर चढ़ावा जाब बन्द न होइ जात? काहेकि
फिन तउ आराधना करइवालन एक ही इ बार मँ
सदा-हमेसा क बरे पवित्तर होइ जातेन। अउर
आपने पापन क बरे फिन कबहुँ खुद क अपराधी
न समझतेन। ३ मुला उ बलिदान तउ बस पापन
क एक बरस भरे क स्मृति मात्र अहइँ। ४ काहेकि
साँड़न अउर बकरन क लहू पापन क दूर कइ देइ,
इ सम्भव नाहीं बा।

५ इही बरे जब मसीह एह जगत मँ आइ रहा तउ
उ कहे रहा:
"तू बलिदान अउर कउनउ भेंट नाहीं चाह्या,
मुला मोरे बरे एक देह तइयार किहा।
६ तू नाहीं कउनउ दग्ध भेंटन स न
तउ पाप भेंटन स खुस भया।
७ तब फिन मइँ कहे रहेउँ, 'किताबे मँ मोर बरे
इ लिखा भी बा मइँ इहाँ अहइ।
हे परमेस्सर तोहार इच्छा पूरा करइ क आइ हउँ।'"
§

८ उ पहिलेन कहे रहा, "बलिदान अउर भेंटन, दग्ध
भेंटन अउर पाप भेंटनन तउ तू चाहत अहा अउर
न तउ तू ओसे खुस होत ह।" (यद्यपि व्यवस्था इ
चाहत ह कि उ सबइ चढ़ाइ जाइँ) ९ तब उ कहे
रहा, "मइँ इहाँ अहउँ। मइँ तोहार इच्छा पूरी करइ
आई हउँ।" त उ दुसरे व्यवस्था क स्थापित करइ
क बरे, पहिली क रद्द कइ देत ह। १० तउन परमेस्सर
क इच्छा स एक बार ही हमेसा-हमेसा क बरे ईसू
मसीह क देह क बलिदान द्वारा हम पवित्तर कइ
दिन्ह गएन।

११ हर याजक एक दिना क बाद दुसरे दिन खड़ा
होइके अपने धार्मिक कारज क पूरा करत ह। उ
पचे फिन-फिन एक जइसेन ही उ बलि चढ़ावत
हीं जउन पापन क कबहुँ दूर नाहीं कइ सकतेन।
१२ मुला याजक क रूप मँ मसीह तउ पापन क बरे,
हमेसा क बरे एक्कइ बलि चढ़ाइके परमेस्सर क
दहिने हाथ जाइ बइठा। १३ अउर उही समइ स
ओका अपने विरोधियन क ओकरे चरण क चौकी
बनाइ दीन्ह जाइ क प्रतीच्छा बा। १४ जउन
पवित्तर कीन्ह जात अहइ, ओनका हमेसा-हमेसा
क बरे पूरा सिद्ध कइ दिहेस

१५ एकरे बरे पवित्तर आतिमा हमका साच्छी देत
ह। पहिले उ बतावत ह:
१६ "इ अहइ उ करार जेका मइँ ओनसे करबइ।
अउर फिन ओकरे बाद पर्भू घोसित करत निज
व्यवस्था मइँ
ओनकइ हिरदइ मँ बसबउबइ
ओनके मने पर लिखी देबइ." **
१७ उ इहउ कहत ह:
"ओनके पापन
अउर ओनके दुस्करमन क अब मइँ कबहुँ यादत
रखब।" ††

१८ अउर फिन जब पाप छमा कइ दीन्ह गएन त
पापन क बरे कउनो बलिदान क कउनउ जरूरत
रही ही नाहीं।

परमेस्सर क लगे आवअ

१९ इही बरे भाइयो तथा बहिनियो, काहेकि ईसू
क लहूक द्वारा हमका ओह परम पवित्तर स्थान
मँ प्रवेस करइ क निडर भरोसा बा। २० जेका उ
परदा क द्वारा, मतलब जउन ओकर सरीरइ, अहइ,
एक नवा अउर सजीव रस्ता क माध्यम स हमरे
बरे खोलि दिहे अहइ। २१ अउर काहेकि हमरे लगे
एक अइसेन महान याजक अहइ जउन परमेस्सर
क घराना क अधिकारी अहइ। २२ तउ फिन आवा,
हम सच्चे हिरदइ, निस्चितपूर्ण बिसवास आपन
अपराधपूर्ण चेतना स हमका सुद्ध करइ क बरे
कीन्ह गए छिड़क भी स युक्त अपने हिरदइ क
लइके सुद्ध जल स धोवा भए अपने सरीरन क साथे

---

§१० :७ उद्धृत भजन संहिता ४० :६-८
**१० :१६ उद्धृत यिर्मयाह ३१ :३३
††१० :१७ उद्धृत यिर्मायाह ३१ :३४

परमेस्सर क लगे पहुँचाय अही। २३ तउ आवअ
जेह आसा क हम अंगीकार किहे हई, हम अडिग
भाउ स ओह पर डटा रही काहेकि जे हमका बचन
दिहे अहइ, उ बिसवासपूर्ण बा।

एक दुसरे क बलवान करइ

२४ अउर आवा हम धियान रखी कि हम पिरेम
अउर अच्छा करमन क बरे एक दुसरे क कइसेन
बढ़ावा दइ सकित ह। २५ हमरे सबइ सभा मँ आउब
जिन छोड़ा। जइसेन कि कछून क तउ उहाँ न
आवइ क आदत ही पड़ि गइ बा। बल्कि हमका तउ
एक दूसरे क बलवान करइ चाही। अउर जइसेन कि
तू देखत अहा कि उ दिन लगे आवत बा-तउन तोहे
इ अउर जियादा करइ चाही।

मसीह स मुँह न फेरा

२६ सत्य क गियान पाइ लेइके बाद उ अगर
हम जानबूझ क पाप करित ही रहित ह फिन तउ
पापन क बरे कउनउ बलिदान बचा नाहीं रहत।
२७ बल्कि फिन त निआव क भयानक प्रतीच्छा
अउर भीसण आगी बाकी रहि जात ह जउन
परमेस्सर क बिरोधियन क चट कइ जाई। २८ जउन
कउनउ मूसा क व्यवस्था क पालन करइ स मना
करत ह, ओका बिना दया देखाए दुइ या तीन
साच्छियन क साच्छी प मारि डावा जात ह।
२९ सोचा, उ मनइयन केतना जियादा कड़ा दंड क
पात्र अहइँ, जे अपने गोड़न तले परमेस्सर क
पूत क कुचलेन, जे करार क उ लहू के, जे ओनका
पवित्तर किहे रहा, एक अपवित्तर चीज मानेन
अउर अनुग्रह क आतिमा क अपमान किहेन।
३० काहेकि हम ओनका जानित ह जे कहे रहेने,
"बदला लेब काम बा मोर, मइँ हीं बदला लेब।"
‡‡अउर फिन, "पर्भू अपने लोगन क निआव करी।"
¶¶३१ कउनो पापी क सजीव परमेस्सर क हाथन मँ
पड़ि जाब एक भयानक बात अहइ।

बिसवास बनाये रखा

३२ आरम्भ क उ दिनन क याद करा जब तू
प्रकास पाए रह्या, अउर ओकरे बाद जब तू कस्टन
क सामना करत भए कठोर संघर्स मँ मजबूती क
साथे डटा रह्या। ३३ तब कबहुँ तउ सब लोगन क
सामने तोहे अपमानित कीन्ह गवा अउर सताया
गवा अउर कबहुँ जेनके साथे अइसेन बर्ताव कीन्ह
जात रहा, तू ओनकर साथ दिह्या। ३४ तू, जउन
बन्दीघरे मँ पड़ा रह्या, ओनसे सहानुभूति क अउर
अपने सम्पत्ति क जब्त कीन्ह जाब सहर्स स्वीकार
किह्या काहेकि तू इ जानत रह्या कि खुद तोहरे
अपने लगे अच्छी अउर टिकाऊ सम्पत्तियन
बाटिन।

३५ तउन अपने साहस बिसवास क जिन तियागा
काहेकि एकइ भरपूर प्रतिफल दीन्ह जाई।
३६ तोहे धीरज क जरुरत बा ताकि तू जब परमेस्सर
क इच्छा पूरी कइ चुका तउ जेकर बचन उ दिहे
अहइ, ओका तू पाइ सका। ३७ काहेकि,
"बहुत जल्दी ही, जेका आवइ क बा,
उ जल्दी ही आई, अउर देर नाहीं करी।
३८ मोर धर्मी जन
जउने बिसवास स
अउर अगर उ पीछे हटी तउ मइँ
ओनसे खुस न रहबइ।" §§
३९ मुला हम ओनसे नाहीं हई जउन पीछे हटत हीं
अउर खतम होइ जात हीं बल्कि ओनमाँ स अही
जउन बिसवास करत हीं अउर उद्धार पावत हीं।

बिसवास क महिमा

११ १ बिसवास क मतलब बा, जेकर हम आसा
करित ह, ओकरे बरे सुनिस्चित होब। अउर
बिसवास क मतलब बा कि हम चाहे कउनो चीज
क देखत न अही मुला ओकरे अस्तित्व क बारे मँ
सुनिस्चित होब कि उ बा। २ इही कारण पुरानन क
परमेस्सर क आदर मिला भआ रहा।

३ बिसवास क आधार पर ही हम इ जानित ह कि
परमेस्सर क आदेस स जगत क रचना भइ रही।
इही बरे जउन दृस्य बा, उ दृस्य स नाहीं बना बा।

४ हाबिल तउ बिसवास क कारण ही परमेस्सर
क कैन स अच्छी बलि चढ़ाए रहा। बिसवास क
कारण ही ओका एक धर्मी मनई क रूप मँ तब
सम्मान मिला रहा जब परमेस्सर त ओकरी भेंटन
क प्रसंसा किहे रहा। अउर बिसवास क कारण उ
आजऊ बोल थीं जद्यपि उ मरी चुका अहइ।

५ बिसवास क कारण ही हनोक क एह जीवन स
उप्पर उठाइ लिहा गवा रहा ताकि ओका मउत
क अनुभव न होइ। परमेस्सर तउ काहेकि ओका
दूर हटाइ दिहे रहा इही बरे उ पावा नाहीं गवा।

---

‡‡१० :३० उद्धृत व्यवस्था. ३२ :३५
¶¶१० :३० उद्धृत भजन. १३५ :१४
§§१० :३८ उद्धृत हबकूक २ :३-४

काहेकि ओका उठावा जाइ स पहिले परमेस्सर क प्रसन्न करइवाले क रूप मँ ओका सम्मान मिल चुका रहा। ६ बिसवास के बिना परमेस्सर क खुस करब असम्मभव रहा। काहेकि हरएक उ जउन ओकरे लगे आवत ह, ओकरे बरे इ जरूरी बा कि उ एह बात क बिसवास करइ कि परमेस्सर क अस्तित्व बा अउर उ जउन ओका सच्चाई क साथ खोजत ह, उ ओन्हे ओकर प्रतिफल देत ह।

७ बिसवास क कारण ही नूह क जब ओन्हन बातन क चेतावनी दीन्ह गइ जउन उ देखे तक नाहीं रहा तउ उ पवित्तर भय स भरा आपन परिवार क बचावइ क बरे एक नाव क निर्माण किहे रहा। अपने बिसवासे स ही उ एह संसार क दोसपूर्ण मानेस अउर ओह धार्मिकता क उतराधिकारी बना जउन बिसवास स आवत ह।

८ बिसवास क कारण ही, जब इब्राहीम क अइसेन स्थान प जाइके बरे बोलावा गवा रहा, जेका बाद मँ उतराधिकार क रुप मँ ओका पावइ क रहा, जदि उ इ जानत तक नाहीं रहा कि उ कहाँ जात बा, फिन भी उ आज्ञा मानेस अउर उ चला गवा। ९ बिसवास क कारण ही जउने धरती क देइ क ओका बचन दीन्ह गवा रहा, ओह प उ एका अनाजान परदेसी क समान आपन घरे बनाइके निवास किहेस। उ तम्बुवन मँ वइसेन रहा जइसेन इसहाक अउर याकूब रहत रहेन जउन ओकरे संग परमेस्सर क ओह प्रतिज्ञा क उतराधिकारी रहेन। १० उ मजबूत आधारवाली उ नगरी क बाट जोहत रहा जेकर सिल्पी अउर निर्माण कर्ता परमेस्सर अहइ।

११ बिसवास क कारण ही, इब्राहीम जउन बूढ़ा होइ चुका रहा अउर सारा जउन खुद बाँझ रही, जे बचन दिहे रहा, ओका बिसवासनीय समझिके गर्भवती भइ अउर इब्राहीम क बाप बनाइ दिहेस। १२ अउर एह तरह इ एक्कइ मनई स जउन मरियल स रहा, अकास क तारन जेतनी असंख्य अउर सागर-तट क रेत-कणन जेतनी अनगिनत संतान भइन।

१३ बिसवास क अपने मन मँ लिए भए इ लोग मरि गएन। जिन चीजन क प्रतिज्ञा दीन्ह गइ रही, उ ओ चीजन क नाहीं पाएन। उ पचे बस ओनका दुर स ही देखेन अउर ओनकर स्वागत किहेन अउर उ इ मानि लिहेन कि ओ पचे इ धरती प परदेसी अउर अनजान अहइँ। १४ उ लोग जउन अइसेन बात कहत हीं, उ इ देखावत हीं कि उ पचे एक अइसेन देस क खोज मँ अहइँ जउन ओनकर आपन अहइ। १५ अगर उ पचे ओह देस क बारे मँ सोचतेन जेका उ छोड़ि चुका अहइँ तउ ओनके फिन स लउटइ क अवसर रहत। १६ मुला ओन्हे तउ सरगे क एक अच्छा प्रदेस क उत्कट अभिलासा बा। इही बरे परमेस्सर क ओनकर परमेस्सर कहवावइ मँ संकोच नाहीं होत काहेकि उ तउ ओनके बरे एक नगर तइयार कइ रखे अहइ।

१७-१८ बिसवास क कारण ही इब्राहीम तउ, जब परमेस्सर ओकर परीच्छा लेत रहा, इसहाक क बलिदान चढ़ाएस। उहइ जेका प्रतिज्ञा मिली भइ रही, अपने एक मात्र बेटवा क जब बलिदान देई बाला रहा। तउ जद्यपि परमस्सर त ओसे कहे रहा, "इसहाक क द्वारा ही तोहरा वंस बाढ़ी।" १९ मुला इब्राहीम तउ सोचेस क परमेस्सर मरे भएन क भी जियाइ सकत ह अउर अगर अलंकारित भाखा मँ कहा जाइ तउ उ इसहाक क मउत स फिन वापस पाइ लिहेस।

२० बिसवास क कारण ही इसहाक तउ याकूब अउर एसाब क ओनके भविस्स क बारे मँ आसीर्बाद दिहेस। २१ बिसवास क कारण ही याकूब तउ जब उ मरत रहा।

२२ यूसुफ जब ओकर अंत निकट रहा हर बेटवा क आसीर्बाद दिहेस अउर लाठी क उपर सिरे झुकि के सहरा लेत परमेस्सर क आराधना किहेस।

२३ बिसवास क अधार पर ही, मूसा क महतारी-बाप तउ, मूसा क जनम क बाद ओनका तीन महिना तक छुपाये रखेन काहेकि ओ देखि लिहे रहेन कि उ कउनो सामान्य बालक नाहीं रहा अउर उ राजा क आज्ञा स नाहीं डरेन।

२४-२५ बिसवास स ही, मूसा जब बड़ा भवा तउ फिरौन क बिटिया क बेटवा कहवावइ स इन्कार कइ दिहेस। उ पाप क छ्णिक सुक भोगन क अपेच्छा परमेस्सर क लोगन क साथे दुर्व्यवहार झेलबइ ही चुनेस। २६ उ मसीह क बरे अपमान झेलइ क मिस्र क धन भंडारन क अपेच्छा जियादा मूल्यवान मानेस काहेकि उ आपन प्रतिफल पावइ क बाट जोहत रहा।

२७ बिसवास क कारण ही, राजा क क्रोध स न डरत भए उ मिस्र क परित्याग कइ दिहेस। उ डटा रहा, मान ओका अदृस्य परमेस्सर देखात अहइ। २८ बिसवास स ही, उ फसह क त्यौहार अउर लहू छिड़कइ क पालन किहेस, ताकि पहिलौठा क बिनास करइवाला इस्राएल क पहिलौठा क छू तक न पावइ।

२९ बिसवास क कारण ही, लोग लाल-सागर स अइसेन पार होइ गएन जइसेन उ कउनो सूखी

जमीन होइ। मुला जब मिस्र क लोगन अइसेन करइ चाहेन तउ उ पचे डूबि गएन।

३० बिसवास क कारण ही, यहीहो क नगर-परकोट लोगन क सात दिन तलक ओकरे चारिहुँ कइँती परिक्रमा कइ लेइके बाद ढह गवा।

३१ बिसवास क कारण ही, राहाब नाउँ क बेस्या आज्ञा क उल्लंघन करइवालन क साथे नाहीं मारी गइ रही काहेकि उ गुप्तचरन क स्वागत सत्कार किहे रही।

३२ अब मइँ अउर जियादा का कही। गिदोन, बाराक, सिमसोन, यिफतह, दाऊद, समूएल अउर ओन्हन नबियन क चर्चा करइ क मोरे लगे समइ नाहीं बाटइ। ३३ जे बिसवास स, राज्यन क जीत लिहेस, निआवपूर्ण काम किहेस अउर परमेस्सर जउन देइ क बचन दिहे रहा, ओका पाएस। जे सिंहन क मुँह बन्द कइ दिहेस, ३४ लपलपात लपटन क क्रोध क सान्त किहेस अउर तलवार क धार स बच निकलेन, जेकरे कमजोरी इ सकित मँ बदल गइ, अउर युद्ध मँ जउन सक्तिसाली बनेन अउर जे बिदेसी सेनन क छिन्न-भिन्न कइ डाएन।

३५ स्त्रियन तउ अपने मरन हुवन क फिन स जिन्दा पाएन। बहुतन क सतावा गवा, मुला उ छुटकारा पावइ स मना कइ दिहेन ताकि ओनका एक अउर अच्छा जीवन मँ पुनरूत्थान मिलि सकइ। ३६ कछू क उपहासन अउर कोड़न क सामना करइ पड़ा जबकि कछू क जंजीरन स जकड़िके बन्दी घरे मँ डालि दीन्ह गवा। ३७ कछू पइ पथराऊ कीन्ह गवा। ओनका आरा स चीरके दुइ फाँक कइ दीन्ह गवा, ओनका तलवार स मउत क घाट उतारि दीन्ह गवा। उ पचे गरीब रहेन, ओनका जातना दीन्ही गइ अउर ओनके साथे बुरा व्यवहार कीन्ह गवा! उ पचे भेड़ बकरियन क खाल ओढ़े रहेन अउर एहर ओहर भटकत रहेन। ३८ इ संसार ओनके योग्य नाहीं रहा। उ पचे रेगिस्तानन अउर पहाड़न मँ घूमत रहेन अउर सबइ गुफा अउर धरती मँ बने भए बिलन मँ छुपत-छुपावत फिरेन।

३९ अपने बिसवासे क कारण ही इ लोग सब स सराहा गएन। फिन भी परमेस्सर क जेकर महान बचन ओनका दीन्ह गवा रहा, ओका एनमाँ स कउनो नाहीं पाइ सका। ४० परमेस्सर क लगे आपन योजना क अनुसार हमरे बरे कूछ अउर जियादा अच्छा रहा जइसेन ओनहूँ बस हमरे साथे ही पूरा सिद्ध कीन्ह जाइ।

परमेस्सर अपने बेटवन क सिधावत ह

१२ १ काहेकि हम साच्छियन क अइसेन एतँनी बड़ी भीड़ स घिरी भइ अहइ, जउन हमका बिसवास क मतलब का अहइ एकर साच्छी देत ह इही बरे आवा बाधा पहुँचावइवाली हर एक चीज क अउर ओह पाप क जउन सहज इ मँ हमका उलझाइ लेत ह झटकिके फेंका अउर उ दउड़ जउन हमका दउड़इ क बा, आवअ धीरज क साथे ओका दउड़ी। २ हमार बिसवास क अगुआ अउर ओका पूरा सिद्ध करइवाला। इसू पे आवा हमका दिस्टी हटवाइ न चाही। जे अपने सामने उपस्थित आनन्द क बरे क्रूस क जातना झेलेन, ओकरी लज्जा क कउनउ चिंता नाहीं किहेस अउर परमेस्सर क सिंहासन क दहिने हाथ विराजमान होइ गवा। ३ ओकर धियान करा जे पापियन क अइसेन विरोध एह बरे सहन किहेस ताकि थकिके तोहार मन हार न मानि बइठइ।

परमेस्सर पिता जइसा

४ पाप क बिरुद्ध आपन संघर्स मँ तोहे सबन क एतँना नाहीं अड़इ पड़ा रहा कि आपन लहू बहावइ पड़ा होइ। ५ तू उ साहसपूर्ण बचन क भूलि गवा अहा। जउन तोहरे बेटवा नाते सम्बोधित अहइ:

"मोर बेटवा, पर्भू क अनुसासन क महत्व को
समझइ मँ असफल न ह्वा।
तिरस्कार जिन करा, ओकरे फटकार क बुरा कबहुँ
जिन माना
६ काहेकि पर्भू ओनका अनुसासन करत ह।
उ जेनसे पिरेम करत ह।
अउर जइसेन बेटवा बनाइ लेत अहइ, ओनका दंड
भी देत ह।" *

७ कठिनाइ क अनुसासन क रूप मँ सहन करा। परमेस्सर तोहरे साथे अपने बेटवा क समान व्यवहार करत ह। अइसा बेटवा के होइ जउन अपने बाप क द्वारा अनुसासित न भवा होइ? ८ अगर तोहे अइसेन नाहीं दण्डित कीन्ह गवा होइ जइसेन सबन क दण्ड दीन्ह जात ह तउ तू अपने बाप स पैदा भवा बेटवा नाहीं अहा। तउ सच्चा सन्तान नाहीं अहा। ९ अउर फिन इहउ कि एन सबन क उ बापउ जे हमरे सरीर क जन्म दिहे अहइ, हमका सिधावत अहइ। अउर एकरे बरे हम ओन्हे मान देइ ह तउ फिन हमका आपन आतिमन

*१२ :६ उद्धृत नीतीवचन ३ :११-१२

क बाप क अनुसासन क तउ केतना जियादा अधीन रहत भए जिअत चाही। १० हमार बाप तउ तनिक समइ मँ जइसा उ नीक समझेस, हमका दंडित किहेस। हमका दण्ड, मुला परमेस्सर हमका हमार भलाइ क बरे दण्डित करत ह, जइसेन हम ओकर पवित्रता क सहभागी होइ सकी। ११ लोगन क जउने समइ सिधावा जात ह, ओह समइ सिधाउब अच्छा नाहीं लागत, बल्कि उ दुखद लागत ह मुला कछू भी होइ, उ जउन एकरे द्वारा सिधावा जाइ चुका बाटेन, ओनके बरे इ आगे चलिके नेकी अउर सान्ति क सुफल प्रदान करत ह।

चेतावनी : कइसे रहा

१२ इही बरे आपन कमजोर भुजा अउर कमजोर घुटनन क सबल बनावा। १३ अपने गोड़न क बरे रस्ता बनावा तू समतल। तकि जउन लँगड़ा हयेन, उ अपंग नाहीं, वरन चंगा होइ जाइँ।

१४ सभन क साथे सान्ति क साथे रहइ क कोसिस करा अउर पवित्तर होइ क बरे हर तरह स प्रयत्नसील रहा, बिना पवित्तरता क कउनउ पर्भू क दर्सन न कइ पाई। १५ इ बात क धियान रखा कि परमेस्सर क अनुग्रह स कउनो बिमुख न होइ जाइ अउर तोहे कस्ट पहुँचावइ अउर बहुत जने क बिकृत करइ क बरे कड़वी जड़ न फूटि पड़इ। १६ देखा कि कउनउ व्यभिचार न करइ अउर उ एसाव क समान परमेस्सर बिहीन न होइ जाइँ जइसेन सबसे बड़ा बेटवा होइ क नाते उत्तराधिकार पावइ क अधिकारी रहा मुला जे ओन्हे बस एक जून क खाइ भर क बरे बेचि दिहेस। १७ जइसेन कि तू जनतइ अहा बाद मँ जब उ इ आसीर्बाद क पावई चाहेस तउ ओका अयोग्य ठहरावा गवा। जद्यपि उ रोइ-रोइके बरदान पावइ चाहेस मुला उ अपने किहे क अनकिहे नाहीं कइ पाएस।

१८ तू आगी स जलत हुआ एह पर्वत क लगे नाहीं आया जेका छुवा जाइ सकत रहा अउर न तउ अंधकार, बिसाद अउर बवंडर क लगे आया होइ। १९ अउर न तउ तुरही क तेज आवाज अउर कउनउ अइसेन सुर क करीब मँ आया, अउर न बोलत बचन का सुन्या, उ आवाज जेकरे सुने क बाद केउ क सुनइ क जरूरत नाहीं रहत। २० काहेकि जउन आदेस दीन्ह गवा रहा, उ पचे ओका झेली नाहीं पाएन: "अगर कउनउ पसु तलक उ पर्वत क छुवइ तउ ओहे पे पथराऊ कीन्ह जाई।" †२१ उ दृस्य एतना भयभीत कइ डावइवाला रहा कि मूसा तउ कहेस, "मइँ भय स थर-थर काँपत हउँ।" ‡

२२ बल्कि तू सिय्योन पर्वत, सजीव परमेस्सर क नगरी, सरगे क यरूसलेम क लगे आइ पहुँचा अहा। तू तउ हजारन-हजार सरगदूतन क आनन्दपूर्ण सभा, २३ परमेस्सर क पहिलौटी क संतानन, जेनके नाउँ सरग मँ लिखा बाटेन, ओनके सभा क लगे पहुँच चुका अहा। तू सबके निआव कर्ता परमेस्सर अउर ओन्हन धर्मात्मा, पूर्ण मनइयन क सबइ आतिमन, २४ अउर एक नवा करार क बीचवा मँ ईसू अउर छिड़का भवा उ लहू स लगे आइ चुका अहा जउ न हाबील क लहू क अपेच्छा अच्छा बचन बोलत ह।

२५ धियान रहइ, कि यदि जब परमेस्सर बलत ह ओका सुनइ स जिन करा। जदि उ पचे ओका नकारिके नाहीं बच पाएस जउन ओनकर धरती पे चेतावनी दिहे रहा अगर हम ओनसे मुँह मोड़बइ जउन हमका सरग स चेताउनी देत बा, तउ हम त दण्ड स बिकूलही न बची पउबइ। २६ ओकर बानी ओह समइ धरती क झकझोर दिहे रही मुला अब उ प्रतिज्ञा किहे अहइ, "एक बार फिन न केवल धरती क ही बल्कि आकासे क भी मइँ झकझोर देबइ।" ¶२७ "एक बार फिन" इ सब्द उ हर चीज क ओर इंगित करत भवा जउन हिल गवा बा, जब स उ रचा गवा बा। उ सबइ क नास कइ दीन्ह जाई। केवल उहइ चीजन बचिहीं जउन हिलाई न जाइ सकइँ।

२८ अत: काहेकि जब हमका एक अइसेन राज्य मिलत बा, जेका झकझोरा नाहीं जाइ सकत, तउ आवा हम धन्यवादी बनी अउर आदर मिले भए क साथे परमेस्सर क आराधना करी। २९ काहेकि हमार परमेस्सर भस्म कइ डावइवाली एक आग अहइ।

निस्कर्स

१३ १ भाई क समान परस्पर पिरेम करत रहा। २ अतिथियन क सत्कार करब न भूला, काहे कि अइसेन करत भए कछू लोगन तउ अनजाना मँ ही सरगदूतन क स्वागत सत्कार किहे अहइँ। ३ बंदियन क इ रूप मँ याद करा जइसेन तूहऊँ

†१२ :२० उद्धृत निर्ग. १९ :१२-१३
‡१२ :२१ उद्धृत व्यवस्था. ९ :१९
¶१२ :२६ उद्धृत हग्गै २ :६

ओनके साथी बन्दी रहा ह्वा। जेनके साथे बुरा
व्यवहार भवा बा ओनकर एह तरह सुधि ल्या
जइसेन माना तू खुद पीड़ित होत अहा।
४ बियाह क सबके आदर करइ चाही। बियाह
क सेज क पवित्तर रखा। काहेकि परमेस्सर
व्यभिचारियन अउर दुराचारियन क दण्ड देई।
५ अपने जीवन क धने क पिरेम स मुक्त रखा।
जउन कछू तोहरे लगे बा, उही मँ सन्तोस करा
काहेकि परमेस्सर तउ कहे बाटइ,
"मइँ तोहका कबहुँ न छोड़ब,
अउर तोहका कभी न तजबइ।" §
६ इही बरे हम बिसवास क साथे कहत हई,
"पर्भू मोर सहायक,
मइँ कबहुँ भयभीत न बनबइ।
कउनउ मनइ मोर का करइ?" **
७ अपने नेतन क याद रखा जे तोहे परमेस्सर
क बचन सुनाये अहइ। ओनकर जीवन विधि क
परिणाम पे बिचार करा अउर ओनके बिसवास क
अनुसरण करा। ८ ईसू मसीह काल्हिउ ही रहा,
आजउ वइसेनइ अहइ अउर युग-युगान्तर तलक
वइसेन ही रही। ९ हर तरह क अपरिचित उपदेस
स भरमावा न जा। तोहरे मने क बरे अच्छा बा
कि उ अनुग्रह क द्वारा मजबूत बन रहा न कि
खाइ-पअइ सम्बन्धी नियमन क मानइ स, जेनसे
ओनकर कबहुँ कउनउ भला न भवा होइ, जे ओन्हे
मानेन।
१० हमरे लगे एक अइसेन बेदी अहइ जइसेन प
स खाइ क अधिकार ओनका न होइ जउन रावटी
मँ सेवा करत हीं। ११ महाजायक परम पवित्तर
स्थानन प पाप बलि क रूप मँ पसुवन क लहू त
लइ जात हीं, मुला ओनकर सरीस डेरा स बाहेर
जलाइ दीन्ह जात हीं। १२ इही बरे ईसू तउ खुद
अपने लहू स लोगन क पवित्तर करइ क बरे नगर
दुवार क बाहेर यातना झेलेस। १३ तउ फिन आवा
हमहूँ इही अपमान क झेलत भए जेका उ झेले
रहा, डेरन क बाहेर ओनके लगे चली। १४ काहेकि
इहाँ हमार कउनो स्थायी नगर नाहीं बा बल्कि
हम तउ ओह नगरक बाट जोहत अही जउन
आवइवाला अहइ। १५ अत: आवा हम ईसू क द्वारा
परमेस्सर क स्तुति रूपी बलिदान करी जउन ओन
ओठन क फल अहइ जे ओनके नाउँ क पहिचाने
हयेन। १६ अउर नेकी करब अउर आपन चीजन क
अउरन क साथे बाँटब न भूला। काहेकि परमेस्सर
अइसेनइ बलिदान स खुस होत ह।
१७ आपने नेतन क आज्ञा माना। ओनके अधीन
रहा। उ पचे तोहेप अइसेन चउकसी रखत हीं
जइसेन ओन्हन मनइयन प रखी जात ह जेका
आपन लेखा-जोखा ओन्हे देइ क बा। ओनकर
आज्ञिया मानअ, जेसे ओनकर करम आनन्द बनी
जाइ। न कि एक बोझ बनइ। काहेकि ओसे तोहर
कउनउ लाभ न होये।
१८ हमरे बरे बिनती करत रहा। हमका निस्चय
कि हमार भावना ठीक बा। अउर हम हर तरह
स उहइ करइ चाहित ह जउन उचित बा। १९ मइँ
बिसेस रूप स आग्रह करित ह कि तू पराथना
करत रहा ताकि जल्दी ही मइँ तोहरे लगे आइ
सकउँ।
२०–२१ जे भेड़न क उ महान रखवाला हमार पर्भू
ईसू क लहू द्वारा उ सनातन करार पे मोहर लगाइ
क मरा भएन मँ स जियाइ उठायेस, उ सान्ति-
दाता परमेस्सर आन्तरिक करार प्रभावित करे
अहइ। तोहे सभन क अच्छी साधना स सम्पन्न
करइ। जइसेन तू ओनकर इच्छा पूरी कइ सका।
अउर ईसू मसीह क जरिये उ हमरे भित्तर उ सब
कछू क सक्रिय करइ जउन ओनका भावत ह।
जुग-जुगान्तर तलक ओनकर महिमा होत रहइ
अउर जउन ओका अच्छा लागत रहइ। आमीन!
२२ भाइयो तथा बहिनियो मोर आग्रह बा कि
तू प्रेरणा देइवाला मोरे इ बचन क धारन करा।
मइँ तोहे इ पत्र बहुत संछेप मँ लिखे हउँ। २३ मइँ
चाहत अहउँ कि तोहे जानकारी होइ कि हमार भाई
तीमुथियुस रिहा कइ दीन्ह गवा अहइ। अगर उ
जल्दी ही आइ पहुँचइ तउ मइँ उही क साथे तोहसे
मिलइ अउबइ।
२४ अपने सभन अग्रणियन अउर परमेस्सर क
लोगन क नमस्कार भेजत कहा। इतालियावाले स
आवा सभी लोगन तोहे नमस्कार भेजत अहइँ।
२५ परमेस्सर क अनुग्रह तोहे सभन क साथे
रहइ।

§१३ :५ उद्धृत व्यवस्था विवरण ३१ :६
**१३ :६ उद्धृत भजन संहीता ११८ :६